

हमारी चाह



ईश्वर हमारे, यही हमारी चाह,
तुम दिखाना हमें वह राह,
कभी करें न किसी से डाह,
मिलकर कहें वाह! वाह!!

माता—पिता हों हमारे साथ,
हम मानें उनकी सब बात,
मिल—जुलकर रहें सब साथ,
ऊँच—नीच की करें न बात।

प्रभु, हमको दो यह वरदान,
पढ़—लिखकर हम बनें महान,
झूठ को दें कभी न मान,
सच्चाई का करें सम्मान।





शब्द-अर्थ

ईश्वर	—	भगवान
चाह	—	इच्छा
राह	—	रास्ता, मार्ग
डाह	—	ईर्ष्या
मान	—	इज्जत
सम्मान	—	आदर

1. पढ़ें और समझें

दिन निकल आया है।
पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।
चिड़िया चहचहा रही है।
बगिया महक रही है।
हम सब ईश्वर के गुण गाएँ।

2. पढ़ें और लिखें

(क) ईश्वर	(ख) वरदान
(ग) महान	(घ) सच्चाई
(ङ) सम्मान	(च) झूठ





3. उचित विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाएँ

(क) बच्चे किससे प्रार्थना कर रहे हैं ?

- (अ) अध्यापक से (ब) माता-पिता से
(स) गुरु से (द) ईश्वर से ()

(ख) बच्चे कौन-सा वरदान नहीं माँग रहे हैं ?

- (अ) प्रातः जल्दी उठने का
(ब) पढ़-लिखकर महान बनने का
(स) दिन भर खेलने कूदने का
(द) झूठ बोलने का ()

(ग) बच्चे पढ़-लिखकर क्या करना चाहते हैं ?

- (अ) महान बनना (ब) आलसी बनना
(स) शैतान बनना (द) बुरा बनना ()

4. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए

- (क) हमारे, यही हमारी चाह । (ईश्वर / पिता)
(ख) मिल-जुलकर रहें सब साथ । (हाथ / साथ)
(ग) झूठ को दें न मान । (कभी / हमेशा)
(घ) सच्चाई का करें । (असम्मान / सम्मान)

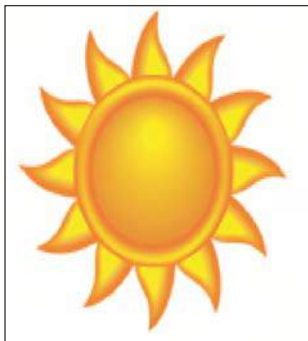
5. सोचें और बताएँ

- (क) बच्चे ईश्वर से क्या इच्छा कर रहे हैं ?
(ख) झूठ और सच्चाई के लिए बच्चे क्या कहते हैं ?





6. इन चित्रों को पहचानकर उनके नाम लिखें



.....



.....



.....

7. इस कविता को याद कर कक्षा में सुनाएँ

चिड़िया मुझे बना दो राम,
सुंदर पंख लगा दो राम,
डाल-डाल पर जाऊँगी,
मीठे गीत सुनाऊँगी,
फर-फर-फर उड़ जाऊँगी।

8. सुंदर लेख लिखें

हमेशा बड़ों का आदर करें।

.....

.....

.....

.....

.....





9. जब आप प्रार्थना करते हैं, तो क्या माँगते हैं ? आपस में चर्चा कीजिए ।

10. इस चित्र में पेंसिल घुमाकर रंग भरिए ।

